नगर निगम की लड़ाई के जरिए जयपुर की कांग्रेस में वर्चस्व साबित करने की होड़

इस जंग में जयपुर जिला कांग्रेस का अध्यक्ष पद भी दाव पर है

जयपुर, (का.प्र.)। जयपुर जिला कांग्रेस में इन दिनों वर्चस्व की लड़ाई शुरू हो चुकी है और पिछले दिनों जयपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष को लेकर जो दौड़ शुरू हुई थी, वह वर्चस्व की लड़ाई में बदल चुकी है। जिलाध्यक्ष की यही लड़ाई अब नगर निगम की समितियों के जरिए लड़ी जा रही है। हालांकि जयपुर के विधायकों में जयपुर नगर निगम हेरिटेज में समितियां बनाने को लेकर बातचीत का रास्ता तो निकाला गया है, लेकिन यहां मजेदार बात यह है कि इसके जरिए अब लड़ाई बेहद दिलचस्प होती दिख रही है।

पिछले दिनों काबीना मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने जिस तरह से निर्दलीय पार्षदों को लेकर हमदर्दी दिखाने का प्रयास किया है, वह भी उसी लड़ाई का हिस्सा है। एक और तो जयपुर में कांग्रेस सरकार में पिछले तीन साल से जयपुर के एकमात्र काबीना मंत्री रहे प्रताप सिंह खाचरियावास कहते हैं कि महापौर को निर्दलीय पार्षदों की बात सुननी पड़ेगी और महापौर का पद कांग्रेस के चेहरे पर मिला है, खुद के चेहरे पर नहीं। यहां वे महापौर को निशाना बनाते हैं लेकिन दूसरी ओर सवाल यह उठ रहा है कि जिस महिला को पार्षद का टिकट खुद प्रताप सिंह खाचरियावास ने दिया था, आखिरकार ऐसा क्या हो गया कि सार्वजनिक रुप से खाचरियावास को उसी अपने क्षेत्र की पार्षद के महापौर बनने के बाद शिकायतें होने लगी हैं।

दूसरी ओर इस लड़ाई का एक हिस्सा हाल ही काबीना मंत्री बने महेश जोशी हैं। महेश जोशी भी अपने नजदीकी समर्थक को जयपुर का अध्यक्ष बनाने को लेकर दिल्ली तक जा चुके हैं। अब लड़ाई इस बात की है कि जयपुर नगर निगम हेरिटेज और जयपुर नगर निगम ग्रेटर दो हिस्सों में बांटने के बाद जयपुर के दो जिला कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाले हैं। ऐसे में अब महेश जोशी और प्रताप सिंह खाचरियावास दोनों के ही विधानसभा क्षेत्र जयपुर हेरिटेज में आते हैं। अब दोनों नेता चाहते हैं कि जो भी जिला कांग्रेस का अध्यक्ष जयपुर हेरिटेज में बने, वह उनका समर्थक हो।

अब यह लड़ाई सीधी नहीं लड़ी जा सकती है। ऐसे में नगर निगम की लड़ाई को माध्यम बनाया गया है। माध्यम इस तरह से कि प्रताप सिंह खाचरियावास कहते हैं कि 1 साल होने के बावजूद नगर निगम की समितियां नहीं बनी, तो सवाल यह उठता है, जो खुद कांग्रेसजन

- **जयपुर में दो काबीना मंत्रियों में वर्चस्व की लड़ाई रोक रही है निगम समितियों का गठन, पार्षदों का मनोनयन**
- **खाचरियावास निर्दलीय पार्षदों की सहानुभूति बटोरना चाहते हैं, तो महेश जोशी चुप्पी साधे इंतजार में हैं**

पूछते हैं कि आखिरकार समितियां बनाने से रोका किसने है। सरकार कांग्रेस की, नगर निगम का बोर्ड कांग्रेस का, चार विधायक कांग्रेस के, तो फिर आखिरकार इन निगम की समितियों के आड़े कौन आ रहा है। जबकि दूसरी ओर जयपुर ग्रेटर निगम बोर्ड का गठन होने के कुछ दिनों बाद ही समितियों का गठन कर दिया गया था। ऐसे में जयपुर के कांग्रेसजनों की उंगलियां दोनों काबीना मंत्री और दो विधायकों पर ही उठती है कि इनमें एक राय नहीं होने का खामियाजा नगर निगम के पार्षदों को भुगतना पड़ रहा है और समितियों का गठन नहीं होने से कार्यों का बंटवारा भी नहीं हो पा रहा है। अब सवाल यह भी उठता है कि कांग्रेस के साथ में 8 निर्दलीय विधायकों का समर्थन है। अब यह सभी अपने लिए चेयरमैनशिप मांग रहे हैं लेकिन यदि इन सभी को चेयरमैन बना दिया जाता है तो फिर कांग्रेस के टिकट पर जीत कर आने वाले पार्षद क्या इन सभी को स्वीकार कर लेंगे। इस उधेड़बुन का नतीजा है कि नगर निगम में समितियों का गठन नहीं हो पा रहा है।

कांग्रेसजनों का सवाल तो यह भी है कि जब पूरे राजस्थान में सरकार की ओर से मनोनीत होने वाले पार्षद बनाए जा चुके हैं तो आखिरकार क्या कारण है कि जयपुर के 2 नगर निगमों में अभी तक पार्षदों का मनोनयन नहीं हो पा रहा है। इसके पीछे भी इन विधायकों की आपसी तनाव की स्थिति को ही जिम्मेदार बताया जा रहा है। दरअसल जयपुर में कांग्रेस के जीते हुए विधायक अपने ज्यादा समर्थकों को मनोनीत पार्षद बनाना चाहते हैं। वहीं हर विधायक चाहता है कि उसके क्षेत्र से ज्यादा चेयरमैन बने। यह लड़ाई भी नगर निगम में हिस्सेदारी बांटने से रोक रही है।

अब क्योंकि जिला कांग्रेस अध्यक्ष का फैसला आने वाले दिनों में होना है, तो नगर निगम के जरिए दोनों काबीना मंत्री अपना वर्चस्व साबित करना चाह रहे हैं। हालांकि यह सही है कि पिछले दिनों हुए मंत्रिमंडल फेरबदल में महेश जोशी ज्यादा ताकतवर बनकर उभरे हैं। इसका कारण यह है कि महेश जोशी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सबसे विश्वस्त नेताओं में माने जाते हैं। वहीं कभी सचिन पायलट के नजदीकी माने जाने वाले और बाद में मुख्यमंत्री के नजदीक आ गए प्रताप सिंह खाचरियावास अपना मंत्री पद तो बचाने में सफल रहे, क्योंकि फेरबदल में किसी मंत्री को नहीं हटाया गया, लेकिन उनके विभाग के बंटवारे में स्पष्ट हो गया कि वह अब पहले की तरह जयपुर में ताकतवर नहीं रहे। ऐसे में अब एक बार फिर जयपुर में नगर निगम की समितियों और जयपुर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष की लड़ाई में वर्चस्व साबित करने के लिए अपनी ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। अब देखना यह है कि इस वर्ष की लड़ाई में शह-मात का खेल कहां तक जाता है।

रामू शर्मा के नेतृत्व में बांटे सचिन पायलट के फोटो छपे शॉल

प्रदेश में पड़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए राजस्थान राज्य पंचायत परिषद के संयोजक रामू शर्मा ने गरीब, असहाय और फुटपॉथ पर खुले में गुजर-बसर करने वाले लोगों को शॉल वितरित किए। उन्होंने इस सहायता के माध्यम से पूर्व उप मुख्यमंत्री और पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट के प्रति अपना समर्थन भी जताया है। उन्होंने मंगलवार को सांगानेर क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में फुटपाथ पर रहने वाले करीब 2100 लोगों को सचिन पायलट की फोटो छपी शॉल वितरित की, ताकि वो लोग इस शीतलहर में ठंड से बच सकें। इस दौरान उनके साथ जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी की पूर्व महामंत्री नीतू सैनी, कांग्रेस कार्यकर्ता गुड्डी पंडित, वार्ड 81 से पार्षद जय वशिष्ठ और रामजीलाल आदि भी मौजूद थे।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या नौ हजार से ऊपर ही बनी हुई है

राज्य में मंगलवार को 9711 नए संक्रमित मिले, इससे पहले सोमवार को 9236 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या पिछले कई दिनों से नौ हजार से ऊपर बनी हुई है। मंगलवार को राज्य में थोड़ी और वृद्धि के बाद 9711 नए संक्रमित मिले हैं। हालाकि इस बीच सात हजार से अधिक लोग ठीक भी हुए हैं। इधर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में करोना से 9 और लोगों की मौत हो गई है। प्रदेश में करोना की तीसरी लहर का व्यापक असर देखा जा रहा है। राज्य के 33 जिलों में फिलहाल करोना के 69 हजार 388 सक्रिय मरीज मौजूद है। इनमें सबसे ज्यादा 19 हजार 686 रोगी जयपुर जिले में हैं। वहीं अलवर में 6169, जोधपुर में 4851, उदयपुर में 4065, बीकानेर में 3145, कोटा में 3123, भरतपुर में 3122, बाड़मेर में 2341, पाली में 2247 और अजमेर में 2201 तथा शेष जिलों में इससे कम सक्रिय मरीज हैं।

प्रदेश में मंगलवार को 9711 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इससे पहले सोमवार को 9236 रोगी पाए गए थे। राज्य में पिछले कई दिनों से नए संक्रमितों की संख्या 9 हजार के ऊपर ही बनी हुई है। इधर राजधानी जयपुर में आज कुछ और मामले बढ़ने के साथ 2358 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर में 801, उदयपुर में 677, पाली में 569, अलवर में 568, कोटा में 563, भरतपुर में 536,

- **राजधानी जयपुर में सर्वाधिक 2358 नए संक्रमित मिले हैं।**
- **जोधपुर में 801, उदयपुर में 677, पाली में 569, अलवर में 568, कोटा में 563, भरतपुर में 536 और हनुमानगढ़ में 426 नए मरीज सामने आए हैं।**
- **दुखद बात यह है कि पिछले चौबीस घंटों में राज्य में करोना से 9 और लोगों की मौत हो गई है।**

हनुमानगढ़ में 426, चित्तौड़गढ़ में 380, बीकानेर में 358, अजमेर में 270, चूरू में 252, बाड़मेर में 239, सवाई माधोपुर में 205 और सीकर में 204 नए संक्रमित मिले है। वहीं प्रतापगढ़ में 125, टोंक में 121, जैसलमेर में 117, धौलपुर में 115, बारां में 101, झालावाड़ में 94, भीलवाड़ा में 90, दौसा व नागौर में 85-85, श्रीगंगानगर में 84, सिरोही में 68, बूंदी में 53, डूंगरपुर में 47, झुंझुनूं 38, राजसमंद में 31, जालौर में 25, करौली 17 और बांसवाड़ा में 9 नए मरीज पाए गए हैं। इसके साथ ही राज्य में अब तक 10 लाख 56 हजार 606 संक्रमित मिल चुके हैं। इधर राज्य में पिछले 4-5 दिन से रिकवरी में सुधार हो रहा है। इसके चलते मंगलवार को 7 हजार 56 और मरीज ठीक हुए हैं। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9 लाख 78 हजार 199 संक्रमित इलाज के बाद स्वस्थ हो चुके हैं। हालाकि दुखद बात यह है कि पिछले चौबीस घंटों में राज्य में करोना से 9 और लोगों की मौत हो गई है। इनमें जयपुर और जोधपुर में 2-2 जबकि अजमेर, अलवर, बीकानेर, दौसा तथा करौली में 1-1 मरीज की मौत हुई है। राज्य में तीसरी लहर के दौरान जनवरी के 18 दिनों में ही करोना से 55 लोगों की मौत हो चुकी है। एक जनवरी को प्रदेश में करोना के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 8964 जो अब बढ़कर 9019 हो गई है।

इधर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया के जरिए कहा है कि आमजन के साथ-साथ विशेषज्ञों की राय बनती जा रही है कि ओमक्रॉन डेल्टा के जितना खतरनाक नहीं है, लेकिन इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। जिन लोगों के कोई लक्षण नहीं हैं वो डॉक्टर की सलाह से घर पर ही ठीक हो सकते हैं। हालाकि जिनके बुखार, सिरदर्द, खांसी-जुकाम व बदन दर्द जैसे लक्षण हैं उन्हें बेहद सावधानी बरतनी चाहिए।

जनजाति बाहुल्य अनुसूचित क्षेत्रों का हो सर्वांगीण विकास : राज्यपाल

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने जनजाति बाहुल्य अनुसूचित क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास पर जोर देते हुए कोविड के दौरान अनाथ हुए बच्चों को चिन्हित कर उन्हें तात्कालिक और दीर्घकालिक सहायता और सुरक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ऐसे क्षेत्रों के सभी परिवारों को मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत प्रारम्भ कैशलेस उपचार की सुविधा का सुरक्षा कवच प्रदान किए जाने की भी आवश्यकता जता। उन्होंने चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत पंजीकरण कार्य में तेजी लाते हुए योजना से नहीं जुड़ पाए परिवारों को जल्द से जल्द पंजीकृत किए जाने पर भी जोर दिया।

मिश्र मंगलवार को राजभवन में अनुसूचित क्षेत्र में जनजाति विकास एवं कल्याण हेतु संचालित योजनाओं की प्रगति एवं समस्याओं के संबंध में विशेष समीक्षा बैठक में ऑनलाइन सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में वंचित समूहों को हर सम्भव सहायता प्रदान किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में विद्यार्थियों की कोचिंग, शिक्षा छात्रवृति समय पर मिले, इसकी व्यवस्था प्रभावी रूप में सुनिश्चित हो।

उन्होंने छात्रवृत्ति स्वीकृति एवं भुगतान की ऐसी आदर्श व पारदर्शी व्यवस्था अपनाए जाने पर जोर दिया जिसमें यथासंभव वित्त वर्ष समाप्त होने के साथ ही राशि विद्यार्थी के खाते में जमा हो जाए। उन्होंने कहा कि यदि आवेदन पत्र को कमी या त्रुटि हो तो

उसे निरस्त करने के स्थान पर उसकी पूर्ति करवा शीघ्र विद्यार्थी को लाभान्वित करने का प्रयास होना चाहिए।

राज्यपाल ने अनुसूचित क्षेत्र में जनजातियों के समग्र विकास के लिए योजनाओं का व्यावहारिक क्रियान्वयन किए जाने पर जोर देते हुए कहा कि नवाचार अपनाते हुए ऐसे स्थानों पर अधिकाधिक आदर्श गांव बने। उन्होंने जनजातीय क्षेत्र के बालक-बालिकाओं को सी.एस.आर. के तहत उच्च पदों पर चयन के लिए बेहतर से बेहतर कोचिंग सुविधा दिए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अनुसूचित क्षेत्र के 5 हजार 696 गावों में से 49 गाँवों को मॉडल विलेज बनाने के बारे में जिलेवार प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों के छात्रावासों में स्वच्छता की प्रभावी व्यवस्था के साथ वहां रहने की अच्छी सुविधाओं का विकास किए जाने के भी विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आदर्श गावों की प्रगति की मासिक सूचना राजभवन को मिले।

दस महीने में ही गणगौरी अस्पताल के अधीक्षक को हटाया

इससे पहले जनस्वास्थ्य निदेशक के.के. शर्मा व औषधि नियंत्रक राजाराम शर्मा को भी बदला गया था

जयपुर,(कासं)। चिकित्सा विभाग में पूर्व चिकित्सा मंत्री के निर्णयों को बदलने का काम लगातार जारी है। इसके तहत उनके द्वारा स्वास्थ्य विभाग और अस्पतालों में अहम पदों पर की लगाए गए अधिकारियों और डॉक्टरों अब हटाने का सिलसिला जारी है।

विभाग के नए मंत्री परसादी लाल मीणा ने कार्यभार संभालने के बाद पूर्व मंत्री डॉ.रघु शर्मा की अधिकांश नियुक्तियों को बदल दिया है। इसी कड़ी में मंगलवार को गणगौरी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. रामबाबू शर्मा को भी महज दस महीनों में ही पद से हटाया गया है। डॉ. रामबाबू शर्मा के स्थान पर कांवटिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. एल. हर्षवर्धन को लगाया गया है और उन्हें कांवटिया अस्पताल का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा गया है।

चर्चा है कि गत सप्ताह चिकित्सा निदेशालय में शीर्ष पदों में हुए बदलाव के बाद डॉ. रामबाबू शर्मा की विदाई तय मानी जा रही थी। चिकित्सा महकमें में उनका हटाए जाने को लेकर कई दिनों से चर्चाएं चल रही थी। बताया जा रहा है कि डॉ. शर्मा को इस पद पर जलदाय मंत्री महेश जोशी की सिफारिश पर लगाया गया था। वहीं

- **चिकित्सा विभाग में पूर्व चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा के निर्णयों को बदलने का सिलसिला जारी**

गणगौरी अस्पताल महेश जोशी के निर्वाचन क्षेत्र में है। इसके चलते उन्हें पहले पद से नहीं हटाया गया। सूत्रों के अनुसार डॉ. शर्मा अधीक्षक के लिए हुए साक्षात्कार में चयनित होने के बाद इस पद पर लगाए गए थे। नियमानुसार अधीक्षक का कार्यकाल तीन साल का होता है। लेकिन उन्हें मात्र दस महीने में ही इस पद से हटा दिया गया।

अनियमितता की मिली थी शिकायत : चिकित्सा मंत्री

इस मामले में चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने बताया कि महिलाओं को दिए जाने वाले सेनेटरी नेपकीन के मामले में चिकित्सा अधीक्षक की शिकायत मिली थी। इस बारे में क्षेत्र के लोगों ने अपनी शिकायत में कहा था कि स्टोर में नेपकीन होने के बाद भी मरीजों को वितरित नहीं किए जाते और उन्हें बाहर दुकानों से नेपकीन लाने के लिए मजबूर किया जाता है। इस मामले में जांच के लिए कमेटी भी बनाई थी और उसकी रिपोर्ट में डॉ. रामबाबू शर्मा को दोषी माना गया था। इस मामले में ही उन्हें हटाया गया है।

मेरी कोई गलती नहीं : डॉ. रामबाबू शर्मा

वहीं डॉ. रामबाबू का कहना है कि इस मामले में मेरी गलती बताई जा रही है उसमें तो मेरा कोई हस्तक्षेप ही नहीं है। नेपकीन देने का कार्य अस्पताल के गायनिक विभाग का है, इसमें चिकित्सा अधीक्षक क्या काम करेगा।

गौरतलब है कि इससे पहले चिकित्सा मंत्री ने गत सप्ताह ही जनस्वास्थ्य निदेशक के.के. शर्मा को हटाकर उनके स्थान पर वी.के. माथुर को लगाया था। साथ ही उसी दिन औषधि नियंत्रक राजाराम शर्मा के स्थान पर अजय फाटक की नियुक्ति की थी। ये दोनों ही अधिकारी पूर्व चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा के नजदीकी माने जाते थे।

लैब मालिक ने महिला कर्मचारी की अस्मत लूटी

जयपुर (कासं)। शास्त्रीनगर थाना इलाके में एक मालिक ने महिला कर्मचारी की अस्मत लूटी। जब युवती ने जॉब छोड़ दी तो वह उसे मिलने के लिए धमकाने लगा। बात नहीं मानने पर आरोपी ने युवती के फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिए। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि 24 वर्षीया पीड़िता शादीशुदा है। वह वैशाली नगर में किराए से रहती है। उसका आरोप है कि साल 2019 में इलाके में रॉयल हाउस, शास्त्रीनगर शॉपिंग सेंटर स्थित सेफ लैब एंटरप्राइजेज में काम करती थी। कंपनी का मालिक शंकर शर्मा है, जोकि शाम को छुट्टी होने के बाद कार्यालय में रोककर दुष्कर्म करता था। वह तभी से देहशोषण करता आ रहा है। कुछ दिन पहले पीड़िता ने इसका विरोध किया तो शंकर शर्मा ने उसकी अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। पीड़िता के बयानों के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मेडिकल कराया गया है।

जयपुर में करोना से फिर दो लोगों की मौत हुई

- **सबसे ज्यादा वैशाली नगर और सोडाला में 99-99 नए मरीज पाए गए हैं**

जयपुर। राजधानी जयपुर में मंगलवार को थोड़ी और वृद्धि के बाद 2358 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा वैशाली नगर और सोडाला में 99-99 नए मरीज पाए गए हैं। हालाकि इस बीच जिले में करोना से फिर दो लोगों की मौत हो गई है। जयपुर में मंगलवार को करीब 100 इलाकों में नए संक्रमित मिले है। इसमें सबसे ज्यादा 99-99 मरीज वैशाली नगर और सोडाला इलाके में सामने आए हैं। इसके अलावा मालवीय नगर में 78, जवाहर नगर में 75, झोटवाड़ा में 72, गोपालपुरा में 71, सी स्कीम में 67, विद्याधर नगर में 62, प्रतापनगर में 59, टोंक रोड इलाके में 58, जगतपुरा में 54 और सीतापुरा में 51 नए संक्रमित मिले हैं। इसके साथ ही आज 40 ऐस मरीज मिले है जिन्होंने अपना नाम व पता गलत बताया है। इस बीच जिले में 2346 मरीज ठीक हुए हैं। मंगलवार को रिकवरी में सुधार होने से एक्टिव केस घटकर 19 हजार 686 रहे गए हैं। हालाकि राजधानी में मंगलवार को करोना से 2 और मरीजों की मौत हो गई। इसके साथ ही इस बीमारी अब तक जिले में 1990 लोगों की मौत हो चुकी है।

नरसी का पीडीएफ में चयन हुआ

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व महासचिव नरसी किराड़ को पोस्ट डॉक्टरेट फेलोशिप(पीडीएफ) के लिए चयन हुआ। आइसीएसएसआर की ओर से जारी इस सूची में नरसी सहित देश भर से 200 लोगों का चयन हुआ। देश भर के 75 हजार छात्रों ने इसके लिए आवेदन किया था। जिसमें राजस्थान से नरसी सहित 4 लोग शामिल हैं।

सड़क सीमा में बनी 9 दुकानों और दो अवैध कॉलोनियों पर गरजा जेडीए का बुलडोजर

कालवाड़ रोड पर खंडाका हॉस्पिटल के सामने ''राधा विहार-5'' और सरदारपुरा गांव में ''रामेश्वर धाम'' के नाम से 4-4 बीघा कृषि भूमि पर काटी गई थी अवैध कॉलोनी

जयपुर (कासं)। जेडीए के बुलडोजर मंगलवार को सड़क सीमा में बनीं 9 अवैध दुकानों और दो अवैध कॉलोनियों में गरजा। कालवाड़ रोड पर खंडाका हॉस्पिटल के सामने ''राधा विहार-5'' तथा सरदारपुरा गांव में ''रामेश्वर धाम'' के नाम से अवैध कॉलोनी काटी गई थी। जल्द ही यहां प्लॉट बेचकर बिल्डर फरार होने की फिराक में थे। दोनों कॉलोनियां 4-4 बीघा कृषि भूमि पर काटी गई थी।

जेडीए के मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया कि हाथोज-लालचंदपुरा लिंक रोड पर पीथावास में खसरा नम्बर 213/3 में रातोंरात टीनशैड डालकर 9 अवैध दुकानें बना ली गई थी। जो कि प्रस्तावित 60 मीटर सेक्टर रोड की सीमा में थी। इन्हें गत 10 जनवरी को नोटिस देकर अवैध निर्माण हटाने को कहा था, इसके बावजूद दुकानों पर टीनशैड और शटर डाल लिया गया था। इस पर मंगलवार को जेसीबी की मदद से इन्हें ध्वस्त किया है।

इसी प्रकार कालवाड़ रोड पर ही खंडाका हॉस्पिटल के सामने करीब 4 बीघा निजी खातेदारी की जमीन पर ''राधा विहार-5'' के नाम से अवैध आवासीय कॉलोनी तैयार करके यहां ग्रेवल रोड व निर्माण कार्य कर लिये गये थे। पहले भी दो बार यहां पर अवैध निर्माण

जेडीए टीम ने मंगलवार को हाथोज-लालचंदपुरा लिंक रोड पर सड़क सीमा में बनी 9 दुकानों को जेसीबी की मदद से ध्वस्त किया।

ध्वस्त किये जा चुके है, इसके बावजूद भूमाफिया पुन: निर्माण कर लेते है। मंगलवार को इस अवैध कॉलोनी में बनी ग्रेवल रोड, बाउण्ड्रीवाल, मकान व अन्य अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया है। इसी प्रकार रोज दा रोड ग्राम सरदारपुरा में भी करीब 4 बीघा निजी खातेदारी की जमीन पर ''रामेश्वर धाम'' के नाम से अवैध आवासीय कॉलोनी बसाने के लिए निर्माण कर लिये गये थे, इन्हें भी हटाया है। काश्तकार ने ना तो भू-रूपांतरण कराया और ना ही कॉलोनी बसाने की कोई इजाजत जेडीए से ली थी। ऐसे में अब दोनों निजी खातेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए जोन उपायुक्त-12 को पत्र लिखा गया है। अवैध कॉलोनी बसाने वाले वाली सोसायटी के खिलाफ कार्रवाई के लिए सहकारिता रजिस्ट्रार को पत्र लिखा जायेगा। इसके अलावा न्यू आतिश मार्केट मेट्रो स्टेशन के पास भी द्रव्यवती नदी के किनारे 40 फीट सैक्टर रोड सीमा में आ रहे करीब 2 किलोमीटर तक 6 टीनशैडनुमा कमरे, 3 कोठरी, 3 बाउण्ड्रीवाल, पिल्लर, लोहे-लकड़ी की 6 थड़ियों समेत कई अवैध निर्माण हटाये गये है।

- **बिल्डरों ने ना तो कृषि भूमि का रूपांतरण करवाया और ना ही जेडीए से कोई परमिशन ली, फिर भी 4-4 बीघा जमीन पर काट रखी थी यह कॉलोनियां**

इस माह के अंत तक छह प्रधान खनिजों की नीलामी प्रक्रिया होगी शुरू : डॉ. अग्रवाल

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम एवं एनर्जी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया है कि इस माह के अंत तक कॉपर, मेग्नेसाइट, लाईमस्टोन, मैंगनीज और गारनेट के छह प्रधान खनिजों की नीलामी की प्रक्रिया आरंभ कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस समय एक कॉपर व छह लाईम स्टोन प्रधान खनिजों की ई नीलामी की प्रकिया आरंभ कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इस साल राज्य में खनन क्षेत्र में नीलामी प्रक्रिया में तेजी लाई गई है।

एसीएस माइंस, पेट्रोलियम एवं एनर्जी डॉ. सुबोध अग्रवाल मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से माइंस विभाग की वर्चुअल बैठक ले रहे थे। झुंन्झुनूं व नागौर के दो दो लाईम स्टोन ब्लॉकों का नीलामी नोटिस जारी किया जा चुका है और 24 जनवरी से 28 जनवरी के दौरान इस चारों ब्लाकों की भारत सरकार के ई पोर्टल पर नीलामी की जाएगी। उन्होंने बताया कि इसी तरह से एक कॉपर व दो लाईम स्टोन ब्लाको की नीलामी की प्रक्रिया भी शुरु की जा चुकी है और आगामी 7 से 9 फरवरी के दौरान इन ब्लाकों की भी भारत सरकार के ई नीलामी पोर्टल पर नीलामी होगी।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने समय-समय पर आयोजित माइंस विभाग की समीक्षा बैठकों में खनिज खोज व खनन गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए जाते रहे है। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री गहलोत खनन क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों से भी समय-समय पर रुबरु होते हुए फीडबेक लेते रहे हैं। उन्होंने बताया कि खान व गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया नियमित रुप से विभागीय गतिविधियों की समीक्षा कर निर्देश व मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। खनन क्षेत्र में यह वर्ष विशेष उपलब्धियों का रहेगा। उन्होंने बताया कि खनन गतिविधियों में और अधिक तेजी लाने के लिए केन्द्र सरकार की संबंधित संस्थाओं से भी समन्वय बनाया हुआ है जिसके सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं।